

Demand for stopping organizations or people questioning the service rendered by Mother Teresa in the country

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, देश का स्वभाव सद्भाव रहा है, सदियों का इतिहास इस बात का गवाह है। मैं इस समय दुखी मन से सदन में देश के एक ऐसे तारीखी चरित्र की चर्चा करना चाहता हूँ, जिसने अपना जीवन उन उपेक्षित तथा बहिष्कृत लोगों की सेवा में समर्पित किया, जो एक ऐसे असाध्य रोग से ग्रस्त होते थे, जिसे जन-भाषा में कोढ़ रोग के नाम से पुकारते हैं। मेरी मुराद नोबल पुरस्कार प्राप्त स्व. मदर टेरेसा से है, जिन्होंने जिन्दगी की आखिरी साँस भी इंसानियत की खिदमत करते हुए ली थी। देश और दुनिया मदर टेरेसा को केवल एक संन्यासी के रूप में जानती और मानती है। महोदय, देश में लगातार धर्म के आधार पर अल्पसंख्यकों को शंकाओं के घेरे में लिए जाने का जो प्रयास हो रहा है, वह देश की सेहत के लिए खतरनाक है। मैं आपके माध्यम से देश के गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या देश के महानतम समाजसेवी व्यक्तियों को धर्म के आईने में देखकर उनकी सेवाओं को नजरअंदाज करके सांप्रदायिक आईने में देखने का जो प्रयास हो रहा है, उस पर वे रोक लगाने की कोई मंशा रखते हैं? मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि जब मदर टेरेसा पर धार्मिक आधार पर इल्जाम लगाया गया और यह कहा गया कि मदर टेरेसा किसी धर्म विशेष की प्रचारक थीं, तब पूरी दुनिया में भारत का मान घटा है। सारी दुनिया जानती है कि भारतवर्ष ने भी मदर टेरेसा को भारत रत्न की महान उपाधि से नवाजा था। मैं आपके माध्यम से ऐसे वक्तव्य देने वाले संगठनों और लोगों पर रोक लगाने की पुरजोर माँग इसलिए करता हूँ कि भारत का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप ही उसका हुस्न है और सद्भावी भारत ही समृद्ध भारत बन सकता है। मुझे विश्वास है कि सरकार इस पर गम्भीर संज्ञान लेगी। देशवासी सरकार से यह भी जानना चाहते हैं कि क्या भारत सरकार के पास कोई ऐसा सबूत है कि स्व. मदर टेरेसा की गतिविधि किसी धर्म विशेष की प्रचारक की रही है? यदि कोई जानकारी है, तो तथ्यों को सामने आना चाहिए।

†چودھری منور سلیم (اُتر پردیش) : مہودے، دیش کا سوہاؤ سدیھاؤ رہا ہے،

صدیوں کا اتہاس اس بات کا گواہ ہے۔ میں اس وقت دکھی من سے سدن میں
دیش کے ایک ایسے تاریخی چرتر پر چرچہ کرنا چاہتا ہوں، جس نے اپنا جیون ان
اپیکشت اور بہشکرت لوگوں کی سیوا میں سمریت کیا، جو ایک ایسے اسادھے
روگ سے گرسٹ ہوتے تھے، جسے جن-بھاشا میں کوڑھے روگ کے نام سے پکارتے
ہیں۔ میری مراد نوبل انعام یافتہ آنجھانی مدر ٹریسا ہیں، جنہوں نے زندگی کی
آخری سانس بھی انسانیت کی خدمت کرتے ہوئے لی تھی۔ دیش اور دنیا مدر
ٹریسا کو صرف ایک سنیاسی کے روپ میں جانتی اور مانتی ہے۔ مہودے، دیش

†Transliteration in Urdu script.

میں لگاتار دھرم کے آدھار پر اقلیتوں کو شک کے گھیرے میں لے جانے کا جو پریاس ہو رہا ہے، وہ دیش کی صحت کے لئے خطرناک ہے۔ میں آپ کے مادھیم سے دیش کے بوم منسٹر صاحب سے جانتا چاہتا ہوں کہ کیا دیش کے مہاتم سماج-سیوی شخصیتوں کو دھرم کے آئینے میں دیکھ کر ان کی سیواؤں کو نظر انداز کر کے سامپردانک آئینے میں دیکھنے کا جو پریاس ہو رہا ہے، اس پر وہ روک لگانے کی کوئی منشا رکھتے ہیں؟ میں یہ بھی کہنا چاہتا ہوں کہ جب مدر ٹریسا پر دھارمک آدھار پر الزام لگایا گیا اور کہا گیا کہ مدر ٹریسا کسی خاص دھرم کی پرچارک تھیں، تب پوری دنیا میں بھارت کا مان گھٹتا ہے۔ ساری دنیا جانتی ہے کہ بھارت-ورش نے بھی مدر ٹریسا کو بھارت رتن کی مہان اپادھی سے نوازا تھا۔ میں آپ کے مادھیم سے ایسے بیان دینے والے سنگتھنوں اور لوگوں پر روک لگانے کی پرزور مانگ اس لئے کرتا ہوں کہ بھارت کا دھرم-ٹریکشن سو روپ ہی اس کا حسن ہے اور سدبھاوی بھارت ہی سمردھہ بھارت بن سکتا ہے۔ مجھے یقین ہے کہ سرکار اس پر گمبھیر سنگیان لے گی۔ دیش واسی سرکار سے یہ بھی جانتا چاہتے ہیں کہ کیا بھارت سرکار کے پاس کوئی ایسا ثبوت ہے کہ آنجہانی مدر ٹریسا کی گئی-ودھی کسی خاص دھرم کی پرچارک کی رہی ہے؟ اگر کوئی جانکاری ہے، تو ان باتوں کو سامنے آنا چاہئے۔

श्री शान्तराम नायक (गोवा) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्ध करती हूँ।

श्रीमती कनक लता सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्ध करती हूँ।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Vishambhar Prasad Nishad is not present.